

कुलपति की ओर से

मैं आपके समक्ष बीबीएयू वॉइस का इस वर्ष का द्वितीय एवं अंतिम अंक प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। इस अंक में विगत माह में विश्वविद्यालय में हुए विभिन्न कार्यक्रमों को समावेशित किया गया है। मैं आपके समक्ष बी बीएयू वॉइस के इस संस्करण के बहुत सारे हिस्सों को हिंदीभाषा में प्रकाशित करने जा रहा हूँ। यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष की बात है की जब विश्व के अधिकतम देश अपनी लिपि के प्रति जागरूक हैं तो हम भी हिंदी भाषा की महत्ता को बनाये रखने में पीछे क्यों रहें। मैं इस अंक के माध्यम से अपने छात्रों का ध्यान हिंदी भाषा के प्रसार और उसके उत्थान की ओर आकर्षित करने का एक सूक्ष्म प्रयत्न कर रहा हूँ।



यह अंक हमारे उन शहीदों को भी श्रद्धांजलि है जिन्होंने हमारी आजादी के लिए अपने प्राणों को हँसते हुये न्योछावर कर दिया। उन सभी वीर सपूतों को सलामी देने के उद्देश्य से हमने इस स्वतंत्रता दिवस पर “जरा याद करो कुर्बानी” कार्यक्रम आयोजन किया जिसका मूल उद्देश्य देश के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों को जागरूक करना है।

प्रधानमंत्री के सराहनीय कार्यक्रम “स्वच्छ भारत अभियान” के प्रेरणा स्वरूप विश्वविद्यालय के छात्रों ने संघठित रूप से विश्वविद्यालय के साथ-साथ देश को भी स्वच्छ बनाने की प्रतिज्ञा ली। इस कार्यक्रम के प्रति सभी को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय में “स्वच्छ भारत पखवारा” का आयोजन भी किया गया। इसके साथ-साथ विगत तीन माह में विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना रहा चाहें वो खेल हों या शिक्षा उन हर पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया जो उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए आवश्यक हैं।

मेरे प्रत्येक कृत में विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने मुझे पूर्ण सहयोग प्रदान किया जिसके लिए मैं उनका आभारी हूँ।

आर सी सोबती
कुलपति



विषय-सूची

सत्र का शुभारम्भ	02
जरा याद करो कुर्बानी	03
हिंदी पखवारा	04
गौतम बुद्ध केंद्रीय पुस्तकालय	05
स्वच्छ भारत पखवारा	07
संगोष्ठी	09
कबड्डी प्रतियोगिता	11
वार्षिक कैलेंडर	12

सत्र 2016-17 का शुभारम्भ

“एक रचनाशील व्यक्ति कुछ पाने की इच्छा से प्रेरित होता है, न की औरों को हराने की।” इसी विचार को विद्यार्थियों में संग्रहित करने के संकल्प के साथ बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र २०१६-१७ की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के माननीय राज्यपाल राम कोविद जी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।



अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल जी ने कहा कि रिजर्व बैंक की स्थापना, महिलाओं को प्रसूति अवकाश देना और सूखा एवं बाढ़ की स्थिति से बचने के लिये नदियों को आपस में जोड़ने की परिकल्पना बाबासाहेब ने बहुत पहले ही कर के आधुनिक भारत की नींव रख दी थी। उन्होंने कहा बाबासाहेब ने हम सबको मिलकर आगे बढ़ने की शिक्षा विरासत में दी है।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति आर सी सोबती ने विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं का स्वागत किया और विश्वविद्यालय के नियमों से अवगत कराया। कुलपति जी ने कार्यक्रम के दौरान बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के ऊपर साहित्य तैयार करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया। नए सत्र के शुभारंभ के मौके पर कुलपति जी ने १४ नये विभागों को खोलने की बात भी कही।



जरा याद करो कुर्बानी

आजादी की उनहत्तरवीं वर्षगाँठ पर जब देश उन्नतियों की इबारत लिख रहा है और निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है, उसका श्रेय उन शहीदों और उन महान व्यक्तियों को जाता है जिन्होंने इस देश के पहिये को आजादी के पथ पर न सिर्फ धकेला बल्कि उसे गति भी प्रदान की। ऐसे महान विभूतियों को श्रद्धांजलि प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने इस स्वतंत्रता दिवस को उनकी याद में समर्पित किया और “जरा याद करो कुर्बानी” नाम से एक सप्ताह तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस अवसर पर खेल एवं क्रीडा विभाग की ओर से १५ एवं २३ अगस्त को “फ्रीडम वॉक” का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व कुलपति आर सी सोबती ने किया। आजादी के इस जश्न में उनका साथ विश्वविद्यालय की कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभिन्न संकाय सदस्यों, छात्र-छात्राओं सहित २५० से अधिक अन्य लोगों ने दिया और इस गरिमामय आयोजन

को सफल बनाया। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें १३०० से अधिक पेड़-पौधों को विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगाया गया।

समागम के अंतिम दौर में २३ अगस्त को एक साथ १२०० से अधिक छात्र-छात्राओं समेत विश्वविद्यालय परिवार के १०० से अधिक सदस्यों ने विश्वविद्यालय सभागार की छत के नीचे एक साथ राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी संवेदनाओं को व्यक्त किया।



हिंदी पखवारा (14-28 सितम्बर)

दिनांक २८ सितम्बर को विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डॉ प्रीति चौधरी ने सभी अतिथियों एवं छात्रों का स्वागत किया। इसके पश्चात् विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया गया और कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि श्री वाहिद अली वाहिद ने कविता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की ओर इशारा किया। उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव पर बजरंग बली एवं अली की कविता से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि यह शालीनता की भाषा है। हिन्दी के माध्यम से ही जनमानस स्वयं को सहज महसूस करता है। हम अपने भावों का आदान-प्रदान हिन्दी में ही करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एन.एम.पी.वर्मा ने की। इस अवसर पर उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि बढ़ा दी जाये जिससे अधिकाधिक कर्मचारी एवं छात्र कार्यक्रम में भाग लें। हिन्दी पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो.आर.बी.राम ने विश्वविद्यालय में विगत वर्षों से आयोजित हो रहे हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम से वर्तमान की तुलना करते हुए वर्तमान स्थिति की काफी सराहना की। उन्होंने आगामी वर्षों में हिन्दी की स्थिति में और अधिक सुधार होने की आशा प्रकट की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री रमाशंकर सिंह ने कहा कि आज के युग में मजबूत इच्छाशक्ति ही हमें अपनी मातृभाषा से जोड़ सकती है। हमें दैनिक जीवन में जहाँ तक संभव हो हिन्दी का प्रयोग करना चाहिए।



१४ सितम्बर से प्रारम्भ हुए इस पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन १४ सितम्बर २०१६ को सायं ०४.०० बजे किया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक कुलपति प्रो. एन.एम.पी.वर्मा एवं शिक्षक व छात्रगण उपस्थित थे। पखवाड़े के दौरान स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण और प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, राजभाषा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, हिन्दी आशु भाषण एवं हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ प्रीति चौधरी, संयोजन हिन्दी अधिकारी शिव कुमार त्रिपाठी और धन्यवाद ज्ञापन प्रो० रिपु सूदन सिंह ने किया।

समापन समारोह का संचालन डॉ प्रीति चौधरी एवं संयोजन तथा धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी अधिकारी श्री शिव कुमार त्रिपाठी ने किया। अन्त में प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान पाने वाले विजेताओं को क्रमशः 1000/-, 800/-, 500/- एवं 300/- रु. का नगद पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया।



अध्ययन केंद्र: गौतम बुद्ध केन्द्रीय पुस्तकालय



बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के पुस्तकालय सेवा की व्यावसायिक नींव जनवरी, १९६८ में रखी गई थी।

विश्वविद्यालय के दर्शन और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, ज्ञान और सूचना को प्रभावी ढंग से फैलाकर ज्ञान और उनके अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए पुस्तकालय की स्थापना की गई। इस प्रकार पुस्तकालय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों की शैक्षिक और सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु सीखने के एक संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह विश्वविद्यालय की शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध कार्यक्रमों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सूचना सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय की सेवायें गैर-शिक्षण कर्मचारियों और आगंतुकों को भी उपलब्ध कराई जाती हैं। दिनांक १५ सितम्बर २०१३ को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय स्थल में नवनिर्मित चार मंजिला भवन में पुस्तकालय को स्थानान्तरित कर दिया गया। नए पुस्तकालय भवन में बेसमेंट सहित कुल ७००० वर्गमीटर जगह उपलब्ध है। पुस्तकालय में एक समय में ५०० लोगों के बैठने की क्षमता है।

पुस्तकालय की सेवाएं

केन्द्रीय पुस्तकालय में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैं।

इंटरनेट

अपने उपयोगकर्ताओं के लिए नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराना किसी भी आधुनिक पुस्तकालय की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए, पुस्तकालय ने अपने पाठकों के लिए सीमित संख्या को केन्द्रीय कम्प्यूटर सिस्टम पर इंटरनेट खोज सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर लिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ

संदर्भ ग्रन्थ और सूचना संग्रह में शामिल संदर्भ टूल्स इस प्रकार हैं:-

बिब्लिओग्राफिक्स, डाटा की किताबें, शब्दकोष (सामान्य और विशेष, निर्देशिकाएं, विश्वकोष, साहित्य की गाइड, हैंडबुक, शब्दकोष आदि।)

छायाप्रति

पुस्तकालय में छायाप्रति की सुविधा निम्नलिखित समय व दरों पर उपलब्ध है। समय प्रातः १०:०० बजे से ५:३० तक (प्रत्येक कार्य दिवस पर)।

छात्रों को प्रति पृष्ठ ५० पैसे के रियायती दर में एक निजी पार्टी के माध्यम से सुविधाएं प्रदान की जाती है।

पुस्तकालय संग्रह

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों की आवश्यकताओं की पूर्ति में पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की भूमिका को स्वीकार करते हुए, पुस्तकालय ने पुस्तक और विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य सूचना संसाधन भी खरीदें हैं। पुस्तकालय प्रयोक्ताओं की जानकारी प्राप्ति की जरूरत को पूरा करने हेतु पर्याप्त मात्रा में सूचना संसाधन हैं। एक अलग आवधिक अनुभाग हाल ही में छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए स्थापित किया गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय का संग्रह निम्नानुसार है -

हस्तसूत्र	8500
संदर्भ पुस्तकें	500
वर्तमान पत्रिकाएँ (हार्ड कापी)	40
भारतीय	13
विदेशी	27
लाइट पत्रिका (सूची देखें)	11
समाचार पत्र (सूची देखें)	7

पुस्तकालय का संग्रह

केन्द्रीय पुस्तकालय यूजीसी इनफोनेट संघ के माध्यम से स्प्रिंगर और जेसीसीसी तक पहुँच प्रदान करता है।

पूर्ण लिखित डाटाबेस

1. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक।
2. जेएसटीओआर
3. जेएसटीओआर संयंत्र विज्ञान
4. जेएसटीओआर अलूका
5. स्प्रिंगर लिंक
6. टेलर और फ्रांसिस
7. विले-ब्लैकवेल प्रकाशन

ग्रन्थसूची डेटाबेस

1. औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान (आई.एस.आई.डी)
2. जेसीसीसी

मुद्रित पत्रिकाओं की सूची

1. अखिल भारतीय संवाददाता

स्वच्छ भारत पखवारा

“स्वच्छ भारत अभियान” कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में स्वच्छ भारत पखवारा का आयोजन किया गया। १५ दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में स्वच्छता से जुड़ी हुई विभिन्न गतिविधियों में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

Activity 1: Water (drinking) Testing from all Schools, Departments, Hostels and Blocks

The testing of potable water of all the Departments, Hostels & Blocks was done by the Department of Environmental Microbiology. In this activity the drinking water was collected by the students of Department of Environmental Microbiology and then tested for its microbial quality and physical parameters in the laboratory. It was found that the filters are working properly in most of the departments and the water quality was found to be consumable. Students of Department of Environmental Microbiology enthusiastically participated in testing the water quality and the activity proved to be a learning for them.

Activity 2: Cleanliness Drive in the Campus

Cleanliness drive was done on almost all the days of the Swachh Bharat Pakhwada; whole of the University campus was covered and students from various departments of the University, faculty members, staff and sanitation workers were involved and actively participated in this activity. Whole campus was cleaned and the non-degradable waste like plastics/glass etc. were collected and removed from the campus premises. More



than 800 students participated in the cleanliness drive in the campus making it very successful. The hostlers also participated in cleaning their hostels and removing any type of garbage, plastic wastes etc. The inhabitants of the hostels cleaned their hostels in the cleanliness drive. Honorable Vice Chancellor of the University himself led the cleanliness drive to the success. The clean green campus drive launched in the campus since 2013 was farther intensified as a part of this cleanliness drive.

Activity 3: Display of Banners and Pledge in the Departments & Awareness Drive

The banners and pledge were displayed in each and every building of the University. Volunteers, including the students of the University, visited various departments to create awareness about cleanliness and encouraged students to take Swachhta Pledge.





Activity 4: Weed out of broken furniture, old files and junk

All the heads of departments were requested to weed out the broken furniture, waste material and unusable items from their department including weeding out of old files.

Activity 5: Inspection of Schools/Department/Blocks

All the departments and the blocks of the University were inspected by the Swachh Bharat Pakhwada Committee on various days during the Pakhwada. The Heads of the Departments were already informed about the inspection programme. The departments were found to be neat and clean during the visit of the inspection team. Further suggestions were given by the team to make appropriate arrangements, if any, in relation to cleanliness, sanitation and disposal of waste.

Activity 6: Poster Making Competition by the Students on the theme "Swachh Bharat Daksh Bharat"

Poster making competition was held on the theme "Swachh Bharat, Daksh Bharat" more than 100 students from different departments participated in the Poster making competition giving their innovative ideas in making our country clean and beautiful and best posters were awarded.

Activity 7: Poster Exhibition

The posters made by the students of the University were displayed in the form of exhibition to spread the awareness amongst the masses. Students, faculty members and staff of the University saw the posters and encourage those who made them.

Activity 8: One day workshop on 'Waste Management'

A one day workshop on "Waste Management" was organized on 15th September. Waste management is one of the key issues facing our country in the present day scenario. All the big cities



of India suffer from the problem of improper waste disposal. Large mounds of wastes can be seen around the cities in India. To make our country Swachh and clean this waste has to be managed properly and if possible it should be utilized to make useful products or recycled. Speakers were invited from different parts of country and gave talks during the workshop emphasizing on the role of each and every individual of the country in cleanliness drive. They also explained how to manage wastes and explained the diverse roles of Central and State Governments and also demonstrated the improvements needed at municipal levels. The luminaries also discussed about the actions required at grass root level including villages, small towns and cities. Experts showed how organic waste can be converted to useful manure and in this way, on one hand pollution can be reduced and on other the use of chemicals can also be brought down, in the agriculture. The speakers/scientists also emphasized about the utilization of modern techniques in amalgamation with traditional ones to manage the waste and make agriculture chemical free. More than two hundred students participated in the workshop.

Activity 9: Mass Pledge

On 15th September, 2016 mass pledge was carried out in which students, faculty and non-teaching staff took the Swachhta Pledge. The Volunteers (students of the University) also went to each and every department of the University and encourage the student of respective department to take Swachhta Pledge.

Activity 10: Plantation Drive

Plantation Drive was carried out in the Botanical Garden of the University in which more than 100 trees were planted by the faculty and the officers of the University. The faculty/officers sponsored the trees and planted them by themselves taking pledge to bring them up and take care of their saplings. The trees planted were of more than 60 different species which are indigenous to our country and some of them are very rare and on the verge of extinction.

All the activities were carried out very sincere manner during Swachh Bharat Pakhwada and resulted in upliftment and improvement of the University environment. The students learned the importance of cleanliness and sanitation and were also able to interact with the experts of waste management. The Swachh Bharat Pakhwada hence proved to be a very successful drive.

Seminar and conferences

संगोष्ठी

Department of Economics

दिनांक १५.१२.२०१६ को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय में १२वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सामाजिक आर्थिक प्रगति विषयक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग एवं एसोसियन ऑफ सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेन्ट स्टडीज के तत्वाधान में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय आर्थिक सम्मेलन का शुभारम्भ मॉ सरस्वती एवं बाबासाहेब अम्बेडकर के चित्र पर माल्यापण एवं दीप प्रज्वलन के साथ प्रारम्भ हुआ।



अधिवेशन के संयोजक प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए उक्त विषय पर प्रारम्भिक परिचय व्याख्यान देते हुए १२वीं पंचवर्षीय योजना से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की लक्ष्यगत चुनौतियों गरीबी, बेरोजगारी असमानता विकास पर संरचनात्मक विकास जैसे मुद्दों प्रकाश डाला।

बी.बी.ए.यू.के कुलपति प्रो. आर.बी. सोबती ने अपने अधीक्षक भाषण में विषय की प्रासंगिकता एवं समावेशी विकास से सम्बन्धित विभिन्न सम्भावनाओं पर अच्छी अर्थिक नीति की आवश्यकता पर बल दिया।

उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मसूद खान ने १२वीं पंचवर्षीय योजनाओं के दौरान उच्च शिक्षा के समक्ष आ रही गम्भीर चुनौतियों एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला।



आई.आई.पी.ए. दिल्ली के प्रो. चौबे ने भारतीय अर्थ व्यवस्था में १२वीं योजना के दौरान विकास की कम दर बेरोजगारी एवं गरीबी के उच्चस्तर को विकास का मुख्य बाधक बताया है। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रीति चौधरी बी.बी.ए.यू. ने किया शुभारम्भ कार्यक्रम के पश्चात सी.आ.आई. डी. चण्डीगढ़ से आये प्रो. आर.एस. घूमन ने सामाजिक अर्थिक समन्वित विकास के परिप्रेक्ष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था से सम्बन्धित वास्तविक निचले स्तर की स्थिति की विवेचन किया और यह बताया कि सामाजिक अर्थिक उन्नयन के लिए सम्बोधित आर्थिक नीतियों का समुचित क्रियान्वयन होना चाहिए। इस विषय से सम्बन्धित व्याख्यान से विभिन्न प्रकार के प्रतिभागियों द्वारा ओपेन डिस्कसन सेसन में विषय से सम्बन्धित कई प्रश्न पूछे गये जिसका निस्तारण वस्ता द्वारा किया गया। इस सत्र के सम्वयक अवध विश्वविद्यालय के प्रो० हिमाशुं शेखर सिंह रहे तथा अध्यक्ष के रूप में मुम्बई से आये प्रो० घनश्याम सिंह भी रहे।

तकनीकी सत्र के अगले पैनल डिस्कसन में वर्तमान मौद्रिक विमुद्रीकरण से सम्बन्धित करेंसी के स्टॉप एवं प्रवाह सम्बन्धी समस्या पर विमोचन प्रस्तुत किया गया। जिससे प्रमुख वस्ता के रूप में जी.आई.डी.एस. लखनऊ के प्रो. ए.के. सिंह ने सरकार के फैसले में विसंगतियों को अवलोकित करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताया। लखनऊ वि. वि. के प्रो. मनोज अग्रवाल ने नोटबन्दी के इस सरकारी कदम को सही बताया और बताया कि सरकार की कालाधन सम्बन्धी इस घनात्मक सौंच को सम्बन्धित संस्थाओं एवं आसामाजिक चरों द्वारा सहायोग नहीं किया जा रहा है। आर्थिक व्यवस्था में नोटबन्दी समानतर अर्थव्यवस्था की समस्या का एक अच्छा समाधान है। जिसके दीर्घकालीन विकास की प्रबल सम्भावना है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक श्री के.पी. सिंह ने नोटबन्दी के कारण बैंको के समक्ष उत्पन्न हुई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस तकनीकी सत्र का संचालन लखनऊ वि.वि. लखनऊ की डा. नंदिता कौशल एवं प्रो. एन. एम.पी. वर्मा अधक्षता की।

राष्ट्रीय आर्थिक अधिकवेशन ने प्रमुख रूप से दिल्ली से प्रो. एम.वेग, पटियाला वि.वि. प्रो. डी.के. मदान, अवध वि.वि. के डा. विनोद कुमार श्रीवास्तव, बी.बी.ए.यू. के वित्त अधिकारी श्री रमा शंकर सिंह,

शकुन्तला मिश्रा वि.वि. से डा. राश्री के. सिन्हा एवं डा. अनामिका चौधरी, गिरि अध्ययन संस्थान से डा. सी.एस. वर्मा एवं अलीगढ़ वि.वि. से डा. एस.के. तोमर, उन्नाव से डा० रामविलास, इलाहाबाद से डा. बी. एन. सिंह और बी.बी.ए.यू. के प्रो. मनीश, एसेड्स के संयुक्त सचिव डा. विनीत कुमार एवं श्रुति रस्तोगी एवं प्रो. सनातन नायक एवं बड़ी संख्या में देश भर से आये हुए शोधपत्र प्रस्तुतकर्ता के साथ शोधार्थी छात्र/छात्राओं के साथ गैर शिक्षणोत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

Department of library and Information Sciences

१६ दिसम्बर २०१६ को DLIS विभाग की ओर से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के शिक्षक (IATLIS) के भारतीय संघ के XXXII राष्ट्रीय सम्मेलन प्स्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) अनुसंधान: मुद्दे और चुनौतियाँ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में प्रो आर.एल. रैना, कुलपति, जे.के. में लक्ष्मी पंत यूनिवर्सिटी, जयपुर ने उभरते बाजारों के अनुरूप लगातार एलआईएस पाठ्यक्रमों में बदलाव की पेशकश की। उन्होंने आगे कहा कि एलआईएस अनुसंधान में इस विषय को आत्मीय विषयों के साथ साझेदारी से अनुसंधान की अत्याधुनिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रो आर सोबती, कुलपति, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इंटरनेट कभी भी मानव जाति की स्मृति के रूप में पुस्तकालय की जगह नहीं ले सकता। पुस्तकें और पुस्तकालयों कल्पना को तराशता है। पढ़ना सीखने और समझने के लिए आवश्यक है। पुस्तकालयों को डिजिटल और



इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों और सेवाओं के साथ सुसज्जित करने की जरूरत है। इससे पहले, प्रो विपिन सक्सेना, डीन, (एसआईएसटी) ने सम्मेलन के प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो एम.पी. सतीजा, सम्मेलन निदेशक सम्मेलन का विषय की शुरुआत की।

प्रो जगतार सिंह, अध्यक्ष, (आईएटीएलआईएस), अपने उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में प्रतिनिधियों को सूचित किया। आई एटीएलआईएस द्वारा प्रो प्रो एम.पी. सतीजा और प्रो आर.एल. रैना को प्रोफेसर जागिंदर सिंह रामदेव लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार वर्ष २०१४ और २०१५ के साथ सम्मानित किया गया। प्रोफेसर के.एल. महावर, डीएलआईएस, बीबीएयू के अनुपस्थिति में उनको एस.पी. नारंग अनुसंधान प्रोत्साहन पुरस्कार २०१५ दिया गया। श्री हरीश चंद्र शोधार्थी दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रो. एस.पी. नारंग अनुसंधान संवर्धन पुरस्कार २०१५ के लिए प्रदान किया। १०० प्रतिनिधियों से अधिक के लिए छात्रों ने सम्मेलन में भाग लिया। डा शिल्पी वर्मा ने सम्मेलन का संचालन किया।

Sports Department

The Sports Section, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, (A Central University) Lucknow (U.P.) in association with The Academy of Physical Education, Sports & Yogic Awareness (TAPESYA) organized a "National Workshop on Research Methodology and Statistical Analysis in Yogic Sciences", and "National Conference on Yoga for holistic Health" being held on August 22nd to 29th, 2016 at the University SAS/SES Conference Hall.



School for Home Sciences

The School for Home Sciences celebrated 'Nutrition Week' during 1st to 7th September 2016. As a part of which a National workshop was organized with a theme "Life Cycle Approach for Better Nutrition". Prof. Narsingh Verma H.O.D. Physiology KGMC and Dr. Reetu Singh director of Jagrani hospital speech of the workshop spoke on 'Nutrition of Better Life'. As a part of the program many events were organized in health camp in Yashodhara Girls Hostel, community work at Mohanlalganj block, recipe making completion etc.



कबड्डी प्रतियोगिता

खेल-कूद विभाग के तत्वाधान विश्वविद्यालय में महिला एवं पुरुष वर्ग की इंटर स्कूल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन २१-२३ सितम्बर के मध्य किया गया। दर्शको के भरी उत्साह ओर खिलाडियों के शानदार प्रदर्शन ने खेल को रोमांच की चरम सीमा तक पहुंचा दिया। जहाँ पुरुष वर्ग में "स्कूल ऑफ अम्बेडकर स्टीज" ने "यू आई इ टी" को फाइनल मुकाबले में हरा कर खिताब पर कब्जा किया वहीं महिला वर्ग में अपने विजय रथ को जरी रखते हुए "स्कूल अ फ इनफार्मेशन साइंसेज" ने "स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज" को बेहद रोमांचक मुकाबले में पटखनी दी।

पुरुष वर्ग

१. स्कूल ऑफ अम्बेडकर स्टीज
२. यू आई इ टी
३. स्कूल ऑफ एजुकेशन



महिला वर्ग

१. स्कूल ऑफ इनफार्मेशन साइंसेज
२. स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज
३. एस बी बी टी

बीबीएयू में इंटर से ही स्टार्ट-अप

काई स्टार्टअप के प्रिंसिपल के साथ विवि के कुलापति ने की बैठक, जन्म साइन होगा एम्बेडकर युनिवर्सिटी प्रोड्यूस्ड प्रोग्राम तहत की हुनिन

कुलापति ने भाई अमलजित की रिपोर्ट

काई स्टार्टअप के प्रिंसिपल के साथ विवि के कुलापति ने की बैठक, जन्म साइन होगा एम्बेडकर युनिवर्सिटी प्रोड्यूस्ड प्रोग्राम तहत की हुनिन

काई स्टार्टअप के प्रिंसिपल के साथ विवि के कुलापति ने की बैठक, जन्म साइन होगा एम्बेडकर युनिवर्सिटी प्रोड्यूस्ड प्रोग्राम तहत की हुनिन

'तेरा-मेरा हिंदुस्तान' ने दिया कौमी एकता का संदेश

बीबीएयू में हुए कार्यक्रम, दिया देशभक्ति का संदेश

काई स्टार्टअप के प्रिंसिपल के साथ विवि के कुलापति ने की बैठक, जन्म साइन होगा एम्बेडकर युनिवर्सिटी प्रोड्यूस्ड प्रोग्राम तहत की हुनिन

काई स्टार्टअप के प्रिंसिपल के साथ विवि के कुलापति ने की बैठक, जन्म साइन होगा एम्बेडकर युनिवर्सिटी प्रोड्यूस्ड प्रोग्राम तहत की हुनिन

स्टार्ट अप इंडिया स्कीम के लिए चुना गया अम्बेडकर विवि

विश्वक कौशल

विश्वक कौशल के तहत अम्बेडकर विवि को चुना गया है।

विश्वक कौशल के तहत अम्बेडकर विवि को चुना गया है।

विश्वक कौशल के तहत अम्बेडकर विवि को चुना गया है।

स्विकल इंडिया से मिलेगी इन्वेंशन को नई दिशा

स्विकल इंडिया से मिलेगी इन्वेंशन को नई दिशा

स्विकल इंडिया से मिलेगी इन्वेंशन को नई दिशा

स्विकल इंडिया से मिलेगी इन्वेंशन को नई दिशा

2017

January 01 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	February 02 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28	March 03 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	April 04 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29
May 05 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	June 06 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	July 07 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	August 08 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31
September 09 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	October 10 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31	November 11 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30	December 12 SUN MON TUE WED THU FRI SAT 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31



BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY

(A Central University)
 Vidya Vihar, Rae Bareilly Road, Lucknow-226025

Chief Patron : Prof. R.C. Sobti, Vice Chancellor, BBAU
 Editor: Dr. U.V. Kiran, Co-Editor: Dr. Dharendra Pandey

Editorial Board:

Mohd Waris Khan, Apoorv Singh, Supriya Urvi, Anshita Singh, Sandhya Satyarthi, Anoop Upadhyay, Virendra Singh

army printing press
 www.armyprintpress.com
 Lucknow (0522) 6565333